

ज, म, स, त, ज, ज) के योग से 21 वर्ण होते हैं तथा 8-5-8 पर यति होती है।

**हरिहर-क्षेत्र** पुं. (तत्.) पटना के पास का एक तीर्थ स्थान जहाँ कार्तिकी पूर्णिमा को गंगा-स्नान का पर्व होता है और पशुओं का बहुत बड़ा मेला भी होता है जिसमें हाथी, घोड़े आदि जानवर बिकने के लिए भी आते हैं टि. कहा जाता है कि गज और ग्राह वाली पौराणिक घटना यहीं पर घटित हुई थी।

**हरिहरित** पुं. (तत्.) बीर-बहूटी, इंद्र-वधू।

**हरिहाई/हरिहाया** वि. (देश.) अवसर मिलते ही खेत चरने के लिए दौड़ पड़ने वाले पशु (गाय, भैंस, सांड आदि) जैसे- हरहाई गाय, हरिहाया सांड, हरहट करने वाली (गाय), हरहट, हरहठ।

**हरिहित** पुं. (तत्.) बीर-बहूटी, इंद्र-वधू।

**हरी कसीस** स्त्री. (तद्.) 'हीरा-कसीस'।

**हरी क्रांति** स्त्री. (तद्.+तत्.) दे. हरित क्रांति।

**हरी खाद** स्त्री. (देश.) खेती के काम के लिए नील, मूँग, सन आदि के कुछ विशिष्ट पौधे जो थोड़े बड़े होने पर हल जोतकर खेती की मिट्टी में खाद के रूप में मिला दिए जाते हैं।

**हरी-चाह** स्त्री. (देश.) एक विशेष प्रकार की घास जिसकी जड़ में नींबू जैसी सुगंध होती है।

**हरी चुग** वि. (देश.) केवल अच्छे समय या संपन्न अवस्था में साथ देने वाला, स्वार्थी, अच्छे समय का साथी।

**हरीतकी** स्त्री. (तत्.) हड़, हर।

**हरीतिमा** स्त्री. (तत्.) 1. हरापन 2. हरियाली।

**हरीदूव** स्त्री. (तद्.) पृथ्वी पर उगने वाली तथा सदैव उपलब्ध रहने वाली छोटी, हरी घास।

**हरीफ** पुं. (अर.) 1. दुश्मन या शत्रु 2. प्रतिद्वंद्वी।

**हरीम** वि. (तत्.) हिंस अर्थात् लोभ-लालच करने वाला, लालची या लोभी पुं. (अर.) घटर की चार दीवारी, प्राचीर, प्रासाद।

**हरीरा** पुं. (अर.) दूध को औटाकर तथा उसमें कुछ विशिष्ट मसाले और मेवे डालकर बनाया जानेवाला वह पेय जो मुख्य रूप से प्रसूता महिलाओं को पिलाया जाता है।

**हरील** पुं. दे. हारिल।

**हरीश** पुं. (तत्.) 1. वानर राज या वानरों का राजा 2. हनुमान 3. सुग्रीव या बालि।

**हरु** वि. (देश.) 1. जो भारी न हो या हल्का पुं. 2. शिव, महादेव 3. हरण करना 4. दूर करना उदा. 'हरु मन परिताप' तुलसीदास -मानस।

**हरुआई** स्त्री. (देश.) 1. हल्के होने की अवस्था, गुण या भाव, हल्कापन 2. तेजी या फुरती।

**हरुए** अव्य. (देश.) धीरे-धीरे या आहिस्ता से।

**हरुक** पुं. (अर.) 'हर्फ' अर्थात् अक्षर या वर्ण का बहुवचन रूप।

**हरे** पुं. (तत्.) 1. हे कृष्ण, हे प्रभु आदि संबोधन के लिए प्रयुक्त 2. वि. जैसे- हरे रंग का कपड़ा 3. अव्य. धीरे से 4. स.क्रि. हर लिए।

**हरेक** वि. (देश.) हर एक, प्रत्येक जैसे- हरेक की इच्छा आगे बढ़ने की होती है।

**हरेवा** पुं. (देश.) एक हरी चिड़िया या बुलबुल जिसका मस्तक चमकीला होता है यह प्रायः कम दिखती है परंतु इसकी आवाज अधिक गूँजती है।

**हरें** क्रि.वि. (तद्.) 1. धीरे से या चुपके से 2. धीरे-धीरे 3. चुपके-चुपके।

**हरैया** वि. (देश.) 1. हरण करने वाला, हरनेवाला या हर्ता 2. दूर करने वाला, मिटाने वाला।

**हरोल/हरोल** पुं. (तुर्की.) दे. हरावल।

**हर्ज** पुं. (फा.) हानि या नुकसान जैसे- वह अपने कार्य का हर्ज करता है, रुकावट।

**हर्जा** पुं. (फा.) क्षति-पूर्ति या हर्जाना, हर्ज, हानि या नुकसान।

**हर्जाना** पुं. (फा.) किसी की हानि या क्षतिपूर्ति के लिए दिया गया धन आदि, क्षतिपूर्ति।